नियमित कक्षाओं के लिए ज्ञापन सौंपा

जुन्नारदेव। महाविद्यालय जुन्नारदेव में स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन किए जाने के लिये विद्यार्थियों ने अल्प समय के लिये जुन्नारदेव चर्च तिराहे से यात्रा प्रवास पर जा रही एससीएसटी आयोग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुसुईया उईके को ज्ञापन सौंप उक्त कक्षाऐं संचालित किए जाने की मांग की । छात्र छात्रायें अध्यनरत हैं जो आदिवासी अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों से अध्यन करने आते हैं। वर्तमान में महाविद्यालय स्तर पर स्नातक में बीए व बीकामें, बीएससी पाठ्यक्रम सचांलित हैं इन्ही विद्यार्थियों को आगे अपनी पढ़ाई करने के लिये जिला स्तर के कॉलेजो का सहारा लेना पडता है। वर्तमान में महाविद्यालय में एम अर्थशास्त्र, एमए समाज शास्त्र , एमकॉम एवं एमएससी रासायन शास्त्र की कक्षाऐं सचांलित हैं । इसके अतिरिक्त विद्यार्थी अन्य स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्यपन के लिये एमए हिन्दी , एमए अंग्रेजी , एमए राजनीति शास्त्र , एमए गृह विज्ञान , एमएसी प्राणी शास्त्री , एमएससी वनसपति शास्त्र , एमएससी गणित , एमएससी भौतिक शास्त्र , एमएससी माईको वायो लॉजी व एमएससी वायो टेक्नोलॉजी स्नातकोत्तर कक्षाओं के खोले जाकर आदिवासी छात्र छात्राओं को सुविधा प्रदान किए जाने की मांग विद्यार्थियों ने उपाध्यक्ष से की है। इस पर उपाध्यक्ष ने ज्ञापन लेकर उन्हें सुविधा प्रदान का आसवश्न दिया है। इस दौरान प्रमोद बंदेवार , सिवा नागवंशी , दीपेश साहू, विजय यदुवंशी , विी कहार , योगेश नर्रे, हरिओम यादव , अध्यक्ष रानी पवार , हेमा कहार रितेश सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

दिव्य एक्सप्रेस
छिंदवाड़ा मंगलवार 28 नवम्बर 2017
छिंदवाड़ा आंचलिक
● चौरई ● अमरवाड़ा ● सिंगोड़ी ● हर्रई ● तामिया ● बिछुआ ● बटकाखापा ● मोहखेड़ ● चांद

ज्ञापन : आदिवासी अंचल के हजारों विद्यार्थी सुविधा से वंचित

कालेज में सभी विषय की कक्षा लगाने की रखी मांग

दिव्य एक्सप्रेस जुन्नारदेव।

आदिवासी अंचल जुन्नारदेव में एकमात्र शासकीय महाविद्यालय जहां पर समूचे विकासखंड से गरीब और आदिवासी छात्र/छात्राएं अध्ययन के लिए 50 किलोमीटर से भी अधिक दूरी तय कर महाविद्यालय पहुंचते है और अपने अध्ययन को निरन्तर करते है वही शासकीय महाविद्यालय जुन्नारदेव लगातार उपेक्षाओं का शिकार होता जा रहा है और वर्तमान में महाविद्यालय में 05 स्नातकोत्तर विषय प्रारंभ होने के बाद भी महाविद्यालय को स्नातकोत्तर महाविद्यालय का दर्जा प्राप्त नहीं हो सका है यह नगर सहित समूचे विकासखंड के लिए दुर्भाग्य की बात है।

वहीं महाविद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थी महाविद्यालय में जारी इन 05 विषय में ही अपनी स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर पा रहे है जबकि अन्य विषयों के लिए इन विद्यार्थियों को पहले तो अपने गांव से जुन्नारदेव तक का सफर तय करना पड़ता है उसके बाद जुन्नारदेव से जिला मुख्यालय तक का सफर तय कर ये विद्यार्थी अन्य विषयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करते है उस पर भी गरीबी और घर से अधिक दूरी के चलते कई पालक अपने बच्चों को जिला मुख्यालय में पढ़ने नहीं भेजते है जिससे उनका पूरा भविष्य ही चौपट हो जाता है। विद्यार्थियों की इस समस्या को नगर के युवाओं और विद्यार्थियों द्वारा गंभीरता से लेते हुये सदैव छात्रहित में अग्रणी कार्य करने वाली अनुसूचित जनजाति आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त सुश्री अनुसुईया उईके के दमुआ दौरे के दौरान नगर के चर्च तिराहे पर ज्ञापन सौपकर महाविद्यालय में स्नातकोत्तर विषय खोले जाने की मांग की। इस दौरान भाजपा मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष प्रमोद बन्देवार एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष दर्पन मिगलानी की अगुवाई में विद्यार्थियों ने सुश्री उईके को ज्ञापन सौपा।

इन विषयों में खुले स्नातकोत्तर कक्षाएं

शासकीय महाविद्यालय जुन्नारदेव में वर्तमान में लगभग 1400 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है जबकि वर्तमान में 05 पीजी कक्षाएं ही संचालित है। विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय में एम.ए. हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, एम.एससी. गणित, भौतिक शास्त्र, प्राणीशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र सहित अन्य विषयों को खोले जाकर आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों को लाभ दिलाने की बात कहीं गयी है।

पालकों पर आर्थिक भार और नगर के बाहर भेजने की विडंबना

वर्तमान मे इस आदिवासी अंचल के पालकगण अपने बच्चों को आर्थिक भार एवं नगर से अधिक दूरी के चलते जिला मुख्यालय मे पसंदीदा विषय को लेकर पढ़ने नही भेज पाते है जिससे विकासखंड के ये छात्र अपनी रुचि अनुसार शिक्षा ग्रहण करने मे असमर्थ रहते है और ऐसे मे आने वाले भविष्य पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है।बच्चे कॉलेज मे पढ़ने के साथ-साथ मजदूरी और अन्यत्र स्थानो मे कार्य कर अपनी पढाई पूरी कर रहे है ऐसे मे जिला मुख्यालय मे जाकर पढाई करना इनके लिए संभव नहीं है इसी बात को दृष्टिगत रखते हुये विद्यार्थियो और युवा संगठनों के साथ राजनैतिक दलों ने जुन्नारदेव महाविद्यालय मे अन्य स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ करने संबंधी ज्ञापन सौपकर विषयो को यथाशीघ्र खोले जाने की मांग की है।

टेंडर में वर्क ऑर्डर जारी नहीं हो पाया है।

भोपाल में धूल खा रही जलाशय की फाइलें

लगभग 38 करोड़ की लागत से बनने वाले कामठीकला जलाशय के निर्माण के लिए केबिनेट व प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसकी फाइल बीते छह महीनों से भोपाल में धूल खा रही है। हालांकि भाजपाई नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने वरिष्ठ पदाधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराया, प केबिनेट से मंजूर नहीं हो पाया। इस टेंडर में नगरीय निकाय के जबलपुर कार्यालय से तकनीकी हो गई है, परंतु केबिनेट से वितीय स्वीकृति और टेंडर की स्वीकृति के अभाव में मामला अटक

भाजपा मजदूर मोर्चा ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

कॉलेज में खोले जाएं नवीन विषय

जुन्नारदेव। आदिवासी अंचल के एक मात्र स्नात्कोत्तर कॉलेज में नवीन विषयों को खुलवाने के लिए भाजपा मजदूर मोर्चा के पदाधिकारियों ने सोमवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की उपाध्यक्ष सुश्री अनुसुईया उईके को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के बारे में जानकारी देते हुए प्रमोद ने बताया कि कॉलेज में एमए हिंदी, एमए अंग्रेजी, एम राजनीति शास्त्र, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, एमएससी गणित, एमएससी फिजिक्स, एमएससी जुलाजी जैसे विषयों की अत्यंत आवश्यकता है। स्नातक की पढ़ाई करने के बाद आगे की पढ़ाई पूरी करने के लिए कॉलेज के विद्यार्थियों को क्षेत्र से बाहर जाना पड़ता है। इस अवसर पर शिवा नागवंशी, दीपेश साहू, विजय यदुवंशी, विक्की कहार, योगेश नरें, हरिओम यादव, रितेश, छात्रसंघ महासचिव रानी पवार, हेमा कहार उपस्थित थे।

भाजपा ग्रामीण मंडल की बैठक संपन्न

जुन्नारदेव। भाजपा ग्रामीण मंडल की अहम बैठक का आयोजन देवनगरी पहली पायरी में किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल के सफलतम 12 वर्ष पूरे होने पर हितग्राही सम्मेलन का आयोजन किए जाने के संबंध में रूपरेखा तैयार की गई। इसके साथ ही बैठक में ग्रामीण मंडलों के आगामी कार्यक्रमों के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर जिला मंत्री हजारी लाल साहू, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष राजू नंदवंशी, मंडल अध्यक्ष शिवराम पवार, गोवर्धन यदुवंशी, महामंत्री आशीष मालवीय, उपाध्यक्ष मनोहर चौकसे, कैलाश यदुवंशी उपस्थित थे।

सामान्य सभा की बैठक में हुई योजनाओं की समीक्षा

पशु चिकित्सा अधिकारी को फटकार लगाई

चोरी की व को रोकने करेंगे रात्रि

पांढुर्ना। पांढुर्ना शहर स ग्रामीण अंचलों में हो वारदातों से लोग दहश

अजा आयोग की उपाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन...

नए विषय की उठी मांग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जुन्नारदेव. आदिवासी अंचल जुन्नारदेव में एकमात्र शासकीय महाविद्यालय जहां पर समूचे विकासखंड से गरीब और आदिवासी छात्र/छात्राएं अध्ययन के लिए 50 किमी से भी अधिक दूरी तय कर महाविद्यालय पहुंचते है और अपने अध्ययन को निरन्तर करते है वहीं शासकीय महाविद्यालय जुन्नारदेव लगातार उपेक्षाओं का शिकार होता जा रहा है और वर्तमान में महाविद्यालय में 5 स्नातकोत्तर विषय प्रारंभ होने के बाद भी महाविद्यालय को स्नातकोत्तर महाविद्यालय का दर्जा प्राप्त नहीं हो सका है।

विद्यार्थियों की इस समस्या को नगर के युवाओं और विद्यार्थियों द्वारा गंभीरता से लेते हुए अनुसूचित जनजाति आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुसुइया उइके के दमुआ दौरे के दौरान नगर के चर्च तिराहे पर ज्ञापन सौंपकर महाविद्यालय में स्नातकोत्तर विषय खोले जाने की मांग की। इस दौरान भाजपा मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष प्रमोद बन्देवार एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष दर्शन मिगलानी की अगुवाई में विद्यार्थियों ने उईके को ज्ञापन सौपा।

इन विषयों में खुले स्नातकोत्तर कक्षाएं

शासकीय महाविद्यालय जुन्नारदेव में वर्तमान में लगभग 1400 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है जबकि वर्तमान में 5 पीजी कक्षाएं ही संचालित है। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में एमए हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, एम.एससी. गणित, भौतिकशास्त्र, प्राणीशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र सहित अन्य विषयों को खोले जाने की मांग की है ताकि आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके और उनपर आर्थिक बोझ भी न बढ़े।

पढ़ाई और मजदूरी साथ-साथ

कॉलेज के विद्यार्थी पढ़ने के साथ-साथ मजदूरी कर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे है। ऐसे में जिला मुख्यालय में जाकर पढ़ाई करना इनके लिए संभव नहीं है इसी बात को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों और युवा संगठनों के साथ महाविद्यालय में अन्य स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ करने संबंधी ज्ञापन सौपकर विषयों को खोले जाने की मांग की है। ज्ञापन सौपने के दौरान शिवा नागवंशी, दीपेश साहू, विजय यदुवंशी, योगेश नर्रे, विक्की कहार, हरिओम यादव, रानी पवार, हेमा कहार सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी व नगरवासी उपस्थित थे।

दैनिक जबलपुर एक्सप्रेस, जबलपुर

27 NOV 2017

भारतीय संविधान विश्व का सर्वोच्च लोक तांत्रिक संविधान: कलेक्टर

छिंदवाड़ा। संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अम्बेडक जी द्वारा पंजीकृत संगठन भारतीय बौध्द महासभा के तत्वाधान में खजरी रोड, परासिया रोड एवं नागपुर रोड से होते हुये तीन प्रमुख रैलियों का आयोजन किया गया। तीनों प्रमुख रैलियाँ शहर के मुख्य मार्गो से जयभीम के नारों के साथ स्थानीय डॉ. अम्बेडकर तिराहा पहुँचकर 68 वें संविधान दिवस समारोह में परिवर्तित हुई। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि सुश्री अनुसूईयाँ उइके राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग जिला कलेक्टर जे.के. जैन आई.ए.एस. , विशिष्ट अतिथि चौधरी चंद्रभान सिंह जी विधायक पूर्व मंत्री म.प्र. शासन, कार्यक्रम अध्यक्ष एड. रमेश लोखण्डे प्रदेश सचिव, राजेश शाही एस.डी.एम., एड. राजेश सांगोडे नगर अध्यक्ष, प्रो. वी.एल. बागडे प्रदेश उपाध्यक्ष, चंद्रभान बागडे जिला अध्यक्ष, नितिन खडेलवार, जिला अध्यक्ष व्यापारी प्रकोष्ठ, संजय पटेल महामंत्री किसान मोर्चा, सुनील ठाकुर समाज सेवक, अजय वर्मा अध्यक्ष सत्य साई समिति, सुखनंदन अहाके गायक कलाकार, वरिष्ठ साहित्यकार गुलाबचंद वात्सल्य, सहित कई भीम सेनिको द्वारा डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर एवं तथागत् भगवान बुध्द की छायाचित्र तथा प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया। एड. रमेश लोखण्डे प्रदेश सचिव द्वारा संविधान सभा को संबोधित किया अपने उद्बोधन में कार्यक्रम अध्यक्ष एड. रमेश लोखण्डे द्वारा कहा कि डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा विषम परिस्तिथियों में भारतीय संविधान देश के सर्वोच्च कानून का निर्माण 26 नवम्बर 1949 में अंगीकार किया एवं 26 जनवरी 1950 से सम्पूर्ण भारत में लागू हुआ। आज हमारे देश में कई

भारतीय बौध्द महासभा द्वारा मनाया 68 वॉ संविधान दिवस

आसमाजिक ताकते भारतीय संविधान को संशोधित कर अनुसूचित जाति, जन जाति, पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को समात करने पर तुली है। हमें भारतीय संविधान की अखण्डता एवं एकता को बनाये रखने के लिए सम्पूर्ण देश में संगठित होकर ऐसी ताकतों को रोकने की आवश्यकता बताई तथा निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज को डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर का नाम दिये जाने तथा डॉ.अम्बेडकर जी की 125 जयंती समारोह पर वी.आई.पी. मार्ग सर्किट हाउस तक डॉ. अम्बेडकर के नाम से किये जाने का संकल्प लेते हुये डॉ. अम्बेडकर मार्ग के नाम से उद्घोधित किया था। सुश्री अनुसुईया उईके द्वारा कहा की भारत का संविधान सर्वपरी है उसके ऊपर कोई कानून नहीं है संविधान के मूल आदर्शों एवं प्रस्तावना के आधार पर सम्पूर्ण देश का संचालन देश की सरकार करती है आज देश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्य समुदाय एवं वंछित समुह के अधिकारों की सुरक्षा हो रही है जो डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की देन बताई। कलेक्टर जे.के. जैन आई.ए.एस. द्वारा भारतीय संविधान पर विस्तार पूर्वक उद्बोधन किया जिस पर से उन्होने कहा कि यह लिखित और विस्तृत संविधान है। देश में लोक तांत्रिक और निर्वाचित जन प्रतिनिधि देश की सरकार को चलाते है। मौलिक अधिकार न्याय पालिका की स्वंतत्रता भाषण धर्म शिक्षा आदि की स्वतंत्रता एकल राष्ट्रीयता लचिला एवं कठोर दोनों विशेषतायें देश के लोक तांत्रिक संविधान में समाहित है। संविधान के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर जातीय व्यवस्था का उनमोलन समान नागरिक सहिता और अधिकारिक भाषा केन्द्र 1 बौध्द के समान बताते हुये 26 नवम्बर को संविधान दिवस पर संविधान के मापदण्डों के अनुसार चलने की प्राथमिकता बताई। चौधरी चंद्रभान सिंह द्वारा कहा कि भारतीय संविधान बनने के पूर्व भारत देश में रानी के पेट से राजा पैदा होता था लेकिन बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा भारतीय संविधान निर्माण कर देश के राजा का निर्माण मतदान की पेटी के द्वारा होने की बात बताते हुये अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाती कॉलेज छात्रावास के 3 लाख रुपये की लायब्रेरी एवं डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा का सौंदर्यीकरण पूर्ण किये जाने की बात कही।

दैनिक भास्कर छिन्दवाड़ा
2 7 NOV 2017

कामठीकला जलाशय के लिए अनुसुईया उइके से मिले भाजपाई

भास्कर न्यूज़ | पांढुर्ना

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा घोषित पांढुर्ना जलावर्धन योजना के अंतर्गत कामठीकला जलाशय के निर्माण में प्रगति को लेकर मुख्यमंत्री से चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री का समय लेने भाजपाइयों ने अजजा आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुसुईया उइके से अनुरोध किया। नपा उपाध्यक्ष अरूण भोसले, नगर मंडल अध्यक्ष राजू रेवतकर, वरिष्ठ भाजपाई दादा धर्माधिकारी, रवि बावनकर, खेमराज तिरे, मो.ईरफान, नाना तिवस्कर सहित अनेक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अनुसुईया उइके से कहा कि वे कामठाकला जलाशय के संबंध में हमें मुख्यमंत्री से चर्चा करने के लिए समय दिलवाएं।

इस पर अनुसुईया उइके ने कहा कि वे दो-तीन दिनों में भोपाल जाने वाली है। मुख्यमंत्री से बैठक का समय तय होते ही वे आपको बुलवाएंगी। सनद रहे कि लगभग छह महीने पहले कामठीकला जलाशय के टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। परंतु टेंडर जमा होने के बाद आज तक वर्क ऑर्डर जारी नहीं हो पाए। जिसके कारण भाजपाई जनप्रतिनिधियों को जनता के साथ कटु अनुभवों का सामना करना पड़ रहा है।

दैनिक देशबन्धु
27 NOV 2017

भारत का संविधान सर्वोपरि है- स

भारतीय बौद्ध महासभा ने मनाया

छिन्दवाड़ा (देशबन्धु)। संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकरजी द्वारा पंजीकृत संगठन भारतीय बौध्द महासभा के तत्वाधान में खजरी रोड, परासिया रोड एवं नागपुर रोड से होते हुये तीन प्रमुख रेलियों का आयोजन किया गया। तीनों प्रमुख रैलियॉं शहर के मुख्य मार्गो से जय भीम के नारों के साथ स्थानीय डॉ. अम्बेडकर तिराहा पहुँचकर 68 वें संविधान दिवस समारोह में परिवर्तित हुई। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि सुश्री अनुसूईयॉं उइके राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग जिला कलेक्टर जे.के. जैन आई.ए.एस., विशिष्ट अतिथि चौधरी चंद्रभान सिंह विधायक पूर्व मंत्री म.प्र. शासन, कार्यक्रम अध्यक्ष एड. रमेश लोखण्डे प्रदेश सचिव, राजेश शाही एस.डी.एम., एड. राजेश सांगोडे नगर अध्यक्ष, प्रो. बी.एल. बागडे प्रदेश उपाध्यक्ष, चंद्रभान बागडे जिला अध्यक्ष, नितिन खडेलवार, जिला अध्यक्ष व्यापारी प्रकोष्ठ, संजय पटेल महामंत्री किसान मोर्चा, सुनील ठाकुर समाज सेवक, अजय वर्मा अध्यक्ष सत्य सांई समिति, सुखनंदन अहाके गायक कलाकार, वरिष्ठ साहित्यकार गुलाबचंद वात्सल्य, आर.एल. सहारे हेमकरण तिरगाम, एड. विजय मेंडे, डी.एन. अहिरवार, अजय ताडेकर, राहुल नायक छात्रसंघ अध्यक्ष, श्रवण जगदेव, कमलनाथ छिपने शैलेन्द्र नारनवरे, राधा मेश्राम, विपिन सहारे, एड. संजय रंगारे, पवन बारसिया, कमलेष गोनेकर, पवन शेण्डे, रामकुमार नागवंशी, बंटी बालवंशी, कमलेश महवंशी, सरजू ठावरे, टोंकू डेहरिया, विजया सोमकुवर, ममता लोखण्डे, हेमंत भिमनेकर, कार्तिक डेहरिया, अभिषेक नागवंशी, संदीप फासिया सहित कई भीम सेनिको द्वारा डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकरजी एवं तथागत् भगवान बुध्द की छायाचित्र तथा प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया। तद्पश्चात् भीम सैनिकों द्वारा आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया इस अवसर पर समारोह का संचालन नगर अध्यक्ष एड. राजेश सांगोडे द्वारा किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश सचिव एड. रमेश लोखण्डे द्वारा की गई। संविधान दिवस समारोह पर सामुहिक बुध्द वंदना एड. राजेश सांगोडे नगर अध्यक्ष द्वारा एवं भारतीय संविधान की अखण्डता को कायम रखने हेतु भारतीय संविधान की प्रस्तावना को दोहराकर संविधान के मापदण्डों पर चलने की शपथ दिलाई। तदोपरांत मुख्य अतिथि सुश्री अनुसुईया उईके, विशिष्ट अतिथि चौधरी चंद्रभान सिंह विधायक पूर्व मंत्री म.प्र. शासन, प्रमुख अतिथि जे.के. जैन आई.ए.एस. कलेक्टर छिंदवाड़ा, कार्यक्रम अध्यक्ष एड. रमेश लोखण्डे प्रदेश सचिव द्वारा संविधान सभा को संबोधित किया अपने उदबोधन में कार्यक्रम अध्यक्ष एड. रमेष लोखण्डे द्वारा कहा कि डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर जी द्वारा विषम परिस्तिथियों में भारतीय संविधान देश के सर्वोच्च कानून का

निर्माण 26 नवम्बर 1949
किया एवं 26 जनवरी 19
भारत में लागू हुआ। आज
कई आसमाजिक ताक
संविधान को संशोधित क
जाति, जन जाति, पिछड़ा व
को समाप्त करने पर तुली है
संविधान की अखण्डता ए
बनाये रखने के लिए सम
संगठित होकर ऐसी ताकत
की आवश्यकता बताई तथा
मेडिकल कॉलेज को डॉ.
अम्बेडकरजी का नाम दिये

है- सुश्री अनुसुरईया उईके
ाया 68 वां संविधान दिवस

ण 26 नवम्बर 1949 में अंगीकार । एवं 26 जनवरी 1950 से सम्पूर्ण में लागू हुआ। आज हमारे देश में आसमाजिक ताकते भारतीय धान को संशोधित कर अनुसूचित , जन जाति, पिछड़ा वर्ग के आरक्षण समाप्त करने पर तुली है। हमें भारतीय धान की अखण्डता एवं एकता को ो रखने के लिए सम्पूर्ण देश में ठत होकर ऐसी ताकतो को रोकने आवश्यकता बताई तथा निर्माणाधीन कल कॉलेज को डॉ. बाबा साहेब डकरजी का नाम दिये जाने तथा डॉ. अम्बेडकरजी की 125 जयंती समारोह पर बी.आई.पी. मार्ग सर्किट हाउस तक डॉ. अम्बेडकरजी के नाम से किये जाने का संकल्प लेते हुये डॉ. अम्बेडकर मार्ग के नाम से उद्बोधित किया था। डॉ. अम्बेडकर मार्ग का अतिशीघ्र उदघाटन डॉ. अम्बेडकरजी की जंयती पर किये जाने की मांग की। अनुसूचित जनजाति आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसुईया उईके द्वारा कहा की भारत का संविधान सर्वपरी है उसके ऊपर कोई कानून नहीं है संविधान के मूल आदर्शों एवं प्रस्तावना के आधार पर सम्पूर्ण देश का संचालन देश की सरकार करती है आज देश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति पिछडा वर्ग, अल्पसंख्य समुदाय एवं वंछित समुह के अधिकारों की सुरक्षा हो रही है जो डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर जी की देन बताई। कलेक्टर जे. के. जैन आई.ए.एस. द्वारा भारतीय संविधान पर विस्तार पूर्वक उद्बोधन किया जिस पर से उन्होने कहा कि यह लिखित और विस्तुत संविधान है। देष में लोक तांत्रिक और निर्वाचित जन प्रतिनिधि देश की सरकार को चलाते है। मौलिक अधिकार न्याय पालिका की स्वंतत्रता भाषण धर्म शिक्षा आदि की स्वतंत्रता एकल राष्ट्रीयता लचिला एवं कठोर दोनों विशेषतायें देश के लोक तांत्रिक संविधान में समाहित है। संविधान के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर जातीय व्यवस्था का उन्मूलन समान नागरिक संहिता और अधिकारिक भाषा केन्द्र 1 बौध्द के समान बताते हुये 26 नवम्बर को संविधान दिवस पर संविधान के मापदण्डों के अनुसार चलने की प्राथमिकता बताई। चौधरी चंद्रभान सिंह जी द्वारा कहा कि भारतीय संविधान बनने के पूर्व भारत देश में रानी के पेट से राजा पैदा होता था लेकिन बाबा साहेब अम्बेडकर जी द्वारा भारतीय संविधान निर्माण कर देश के राजा का निर्माण मतदान की पेटी के द्वारा होने की बात बताते हुये अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाती कॉलेज छात्रावास के 3 लाख रुपये की लायब्रेरी एवं डॉ. अम्बेडकर जी की प्रतिमा का सौंदर्यीकरण पूर्ण किये जाने की बात कही। समारोह का समापन एवं आभार भारतीय बौध्द महासभा प्रदेश सचिव एड. रमेश लोखण्डे द्वारा व्यक्त किया गया।